नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 13.09.2018

प्रकाशनार्थ

मनोविज्ञान जीवन जीने की कला है। मनोविज्ञान हमारे जीवन का अहम् हिस्सा है। मनोविज्ञान से ही समाज में होने वाली घटनाओं पर चिन्तन किया जा सकता है। यह हमारे जीवन को प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। मनोविज्ञान मानव के व्यवहारों तथा संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं को वैज्ञानिक पद्धति से समझने वाला विज्ञान है। उपर्युक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान **"Improtance of Psychology in human life"** नामक विषय पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में आए अखिल भाग्य पी.जी. कॉलेज, रानापार, गोरखपुर के मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेण्ट प्रोफेसर **डॉ. अभय प्रताप सिंह** ने छात्र/छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने आगे कहा कि मानव जीवन के विभिन्न क्षेत्र चाहे व्यक्तिगत जीवन का अथवा सामाजिक जीवन का हो, सभी को समझने में मनोविज्ञान ने अपने योगदान को प्रतिपुष्ट किया है। मनोविज्ञान ने मानव जैविकी के परिक्षेत्र का मानव व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभावों को चिह्नित किया है। समाज और संस्कृति का संचरण, मानवीय व्यवहार और सामाजिक जनजीवन के योगदानों को चिह्नित करने में भी मनोविज्ञान का महत्व है। नैदानिक मनोविज्ञान के क्षेत्र में मनोविज्ञान ने समाज में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। मानव के विकृत व्यवहार तथा उन व्यवहारों के साथ समायोजन स्थापित करने में नैदानिक पद्धतियाँ बहुतायत से मनोविज्ञान में प्रयुक्त हो रही हैं। मानव जीवन के विविध क्षेत्रों को समझने, उनके मध्य उत्प्लवित समस्याओं को समझने तथा शोधों को प्रस्तावित करने में मनोविज्ञान की महती भूमिका है। मनोविज्ञान की अनेक शाखाएं (जीवन पर्यन्त विकास का मनोविज्ञान, असामान्य मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान, शिक्षा मनोविज्ञान, समाज मनोविज्ञान, संगठनात्मक व्यवहार, दैहिक मनोविज्ञान, परिमाणात्मक मनोविज्ञान, व्यक्तित्व का मनोविज्ञान, संज्ञानात्मक मनोविज्ञान आदि) है, जिनके माध्यम से मानव जीवन को स्वथ्यकर स्थिति में लाने तथा उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाता है। मानव व्यवहार को समझने में सामाजिक, सांस्कृतिक तथा जैविक भूमिका का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया मुख्य अतिथि ने माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता तथा आभार ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी **डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र** ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर **डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय** ने किया। इस अवसर पर बी.ए./बी.एस–सी. मनोविज्ञान विषय के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी